Five-day International Workshop on 'Research Writing and Publication'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala Date: 29-11-2023

शिक्ष

हकेंवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में पांच देशों के 110 प्रतिभागी हुए शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ विजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतरगढ़ीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार ने कहा कि देश में गुणवतापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यकालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मेंच प्रधान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह औध लेखन में मददगार माबित होंग।



हरियाणां केंद्रीय विरचविद्यालय महेंद्रगढ़। संतः व्रव्ध

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष देश में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता : प्रो. टेकेश्वर

2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 प्रतिभागितों ने पंजीकरण करावा और इसमें सम्मिलत हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 9 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे वो शीर्थ स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। इनमें भी, रेबेका हैंमिल्टन, जॉर्जटाउन चुनिवासिटी, जुएसए और ईआईसी, जनिकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं।

प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन, प्रो. अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएबिटच मार्केटिंग, प्री. विलयोपेट्रा वेलोत्स, ग्लासगी विश्वविद्यालय, चनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट, प्रो. बाब् जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग, प्रो. जस्टिन पॉल, प्यूटों रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नेल ऑफ फंज्यूमर स्टढीज, प्रो. पैरी सीएमपीबेल, मिशियन

टेबिनकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति, प्रो. पीके कन्न, मेरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ओक मार्केटिंग और प्रो. गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल और मार्केटिंग शामिल हुए।

कार्यसाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध कॅरीअर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। कार्यशाला में सम्मिलित कक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तृति के बजाय वास्त्विक जीवन के अनुभवों को साझा किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 29-11-2023

<mark>ऑनलाइन कार्यशाला • 'अनुसंधान लेखन व प्रकाशन' विषय पर विशेषज्ञों ने रखे विचार</mark>

जानेमाने विशेषज्ञों ने शोध के प्रकार व साहित्य समीक्षा लेखन की बारीकियों पर डाला प्रकाश

भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हकेवि के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज की ओर से ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण हैं और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के

9 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे, जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यनिवर्सिटी, यएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्रर्समाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी. मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट युनिवर्सिटी, युएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर विलयोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाब जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक युनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूटों रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल युनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति;

संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में प्रो. पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए 9 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे, जिसमें प्रोफेसर रेबेका और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और हैंमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बेंगलुरु, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोट्सीमाउथ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरिवंद कैसे प्रकाशित करें, 'शोध के विभिन्न प्रकार क्या है' और 'साहित्य समीक्षा कैसे लिखें।

कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तिकक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समूची आयोजन समिति को बधाई दी।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Dainik Jagran</u> Date: 29-11-2023

भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की जरूरीः टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा



आनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय

प्रो. टंकेश्वर कुमार 🏻 कार्यशाला आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापुर्ण अनुसंधान की आवश्यकता और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपुर्ण है और यह शोध

 अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के
 110 ने पंजीकरण कराया

लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था।

उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता के लिए पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डा. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे, जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआइसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर

हेमिल्टन. जार्जटाउन युनिवर्सिटी, युएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं। प्रो. गिआम्पोलो पोटर्समाउथ विगिलिया. विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआइसी, मनोविज्ञान और विपणन, प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट युनिवर्सिटी, युएसए और ईआइसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग. प्रोफेसर क्लियोपेटा वेलोत्स्, ग्लासगो विश्वविद्यालय, युनाइटेड किंगडम और ईआइसी, जर्नल आफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट. प्रोफेसर बाबू जान टेक मारियाडोस, टेक्सास यूनिवर्सिटी और ईआइसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग, प्रोफेसर जस्टिन रिको पाल. प्युर्टो विश्वविद्यालय. भारत और एसोसिएट एडिटर, यरोपियन जर्नल

ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें', 'शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं' और 'साहित्य समीक्षा कैसे लिखें'। कार्यशाला के आयोजन सचिव डा. सुमन और डा. अमित कुमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंदु को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौजुद हैं। कार्यशाला में सम्मिलत वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के अनभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समुची आयोजन समिति को बधाई दी।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh Date: 29-11-2023

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ के स्कल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पाँच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पाँच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हए।



कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसचं शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोटसंमाउथ विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन; प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लियोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूटों रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिंगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, युएसए

और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर आईआईएम दास. बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, युरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें'. 'शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं' और 'साहित्य समीक्षा कैसे लिखें'। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. समन और डॉ. अमित कमार ने विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की दिशा में पहला कदम शोध के शुरुआती बिंद को जानना है। तत्पश्चात यह लेखित किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के शोध लेख मौज़द हैं। कार्यशाला में सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तृति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं ने इस आयोजन के लिए समुची आयोजन समिति को बधाई दी।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: <u>Dainik Tribune</u> Date: 29-11-2023

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़, २८ नवंबर (ह्प)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ के स्कुल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापुर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे।

कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेतु पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हए।



NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Date: 29-11-2023 **Newspaper: Haribhoomi**

कार्यशाला में पांच देशों के 110 प्रतिभागी हुए सिम्मिलत

अनुसंधान लेखन व प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

 हकेंवि के कलपति प्रो. टंकेश्वर कमार ने कहा कि भारत में गुणवतापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है

हरिभमि न्यज भा महेदगढ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के कमार ने कहा कि 09 प्रतिष्ठित और ईआईसी, जर्नेल ऑफ प्रोडक्ट और एसोसिएट एडिटर, यरोपियन



महेंद्रगढ़। पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में विमर्श करते विशेषज्ञ।

लेखन में मददगार साबित होंगे। यनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च अनेजा ने बताया कि यह शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। विगिलिया, पोर्ट्समाउथ विवि, पहला संस्करण वर्ष 2022 में युनाइटेड किंगडम और ईआईसी, आयोजित किया गया था। उन्होंने मनोविज्ञान और विपणनः प्रो बताया कि इस कार्यशाला में अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट प्रतिभागिता हेत पांच देशों के 110 विनवसिंटी, यएसए और इंआईसी प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग:

मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय एंड ब्रांड मैनेजमेंट: प्रोफेसर बाब पत्रिकाओं के प्रधान संपादक जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर यूनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग विषय महत्वपूर्ण है और यह शोध रेबेका हैमिल्टन, जॉजंटाउन इंटेलिजेंस और प्लानिंग: प्रो जस्टिन पॉल, प्यूटारे रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और इंआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यमर स्टडीज: प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यनिवर्सिटी, यएसए और ईआईसी, संसाधन नीति: प्रो पीके कन्ना. मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल और इसमें सम्मिलित हुए। प्रो क्लियोपेटा वेलोत्स, ग्लासगो ऑफ मार्केटिंग और प्रो गोपाल कार्यशाला संयोजक डॉ. अजय विश्वविद्यालय, युनाइटेड किंगडम दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत

अन्भवों को साझा किया

कार्यशाला के अध्योजन सचिव डॉ. खुमव और हाँ. अमित कुमार वे विभिन्न सत्रों का समन्वय किया और उन्होंने कहा कि शोध करियर की विशा में पहला कवम शोध के शुरुआती बिंदू को जानना है। तत्पश्चात यह लक्षित किया जाना चहिए कि किस प्रकार के शेष लेख मौजद हैं। कार्यभाषा में समिमलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में प्रस्तृति के बजाय वास्तविक जीवन के अनुमवी को साझा किया तथा वक्ताओं ने आयोजन के लिए समुची आयोजन समिति को बचाई दी।

जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times Date: 29-11-2023

अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

नारनौल 28 नवम्बर (विजय कौशिक)
: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़
के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट
स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध
लेखन और प्रकाशन पर पाँच दिवसीय
अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और यह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि यह कार्यशाला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेत् पाँच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए।कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि काकौशिक)ला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन युनिवर्सिटी, युएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं: प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोर्टसमाउथ विश्वविद्यालय, यनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन: प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यएसए और ईआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग: प्रोफेसर क्लियोपेटा वेलोत्स, ग्लासगो विश्वविद्यालय, युनाइटेड

किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट: प्रोफेसर बाब जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक युनिवर्सिटी और ईआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग: प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूर्टी रिको विश्वविद्यालय, यएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यमर स्टडीज: प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल युनिवर्सिटी, युएसए और ईआईसी, संसाधन नीति: प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, युएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे 'स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें।

Wed, 29 November 2023

तिइन्स https://epaper.navodayatimes.in/c/74000272



NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj Date: 29-11-2023

हकेवि में अनुसंधान लेखन और प्रकाशन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

नीरज कौशिक

हरियाणा महेंदगढ़। विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा ऑनलाइन माध्यम में शोध लेखन और प्रकाशन पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. टकेश्वर कमार ने कहा कि भारत में गुणवत्तापुर्ण अनसंधान आवश्यकता है और ऐसी कार्यशालाएं अनुसंधान में शामिल लोगों को एक मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के विषय महत्त्वपूर्ण है और वह शोध लेखन में मददगार साबित होंगे। कार्यशाला के निदेशक प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि वह कार्यशाला का दसरा संस्करण है। पहला संस्करण वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागिता हेत पांच देशों के 110 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और इसमें सम्मिलित हुए। कार्यशाला के संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कार्यशाला में 09 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ता थे जो शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं के प्रधान संपादक (ईआईसी) हैं। जिसमें प्रोफेसर रेबेका हैमिल्टन, जॉर्जटाउन युनिवर्सिटी, युएसए और ईआईसी, जर्नाकल ऑफ मार्केटिंग रिसर्च शामिल हैं; प्रो. गिआम्पोलो विगिलिया, पोदर्समाउध विश्वविद्यालय, युनाइटेड किंगडम और ईआईसी, मनोविज्ञान और विपणन:



प्रोफेसर अरविंद रंगास्वामी, पीन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और इंआईसी जर्नल ऑफ इंटरएक्टिव मार्केटिंग; प्रोफेसर क्लिबोपेट्रा वेलोत्सु, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम और ईआईसी, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट; प्रोफेसर बाबू जॉन मारियाडोस, टेक्सास टेक वूनिवर्सिटी और इंआईसी, मार्केटिंग इंटेलिजेंस और प्लानिंग; प्रोफेसर जस्टिन पॉल, प्यूटों रिको विश्वविद्यालय, यूएसए और ईआईसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज; प्रो. गैरी सीएमपीबेल, मिशिगन टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूएसए और ईआईसी, संसाधन नीति; प्रोफेसर पी के कन्ना, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए और एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ मार्केटिंग और प्रोफेसर गोपाल दास, आईआईएम बैंगलोर, भारत और एसोसिएट एडिटर, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग।

इन सभी ने अलग-अलग विषयों पर विचार-विमर्श किया, जैसे स्तरीय पत्रिकाओं में कैसे प्रकाशित करें शोध के विभिन्न प्रकार क्या हैं। और साहित्य समीक्षा कैसे लिखें। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ.
सुमन और डॉ. अमित कुमार ने विभिन्न
सजों का समन्वय किया और उन्होंने
कहा कि शोध करियर की दिशा में
पहला कदम शोध के शुरूआती बिंदु
को जानना है। तत्पश्चात यह लिशत
किया जाना चाहिए कि किस प्रकार के
शोध लेख मौजूद हैं। कार्यशाला में
सम्मिलित वक्ताओं ने अपने संबोधन में
प्रस्तुति के बजाय वास्तविक जीवन के
अनुभवों को साझा किया तथा वक्ताओं
ने इस आयोजन के लिए समूची
आयोजन समिति को बधाई दी।